

ये अव्यक्त इशारे

सच्चे दिल से साहेब राज़ी कर परमात्म दिलतख्त नशीन बनो

**25-12-2022**

ज्ञानी तू आत्मा बाप को प्रिय हैं लेकिन ज्ञान के साथ-साथ सच्ची दिल, अविनाशी बाप का स्नेह आवश्यक है। अगर ज्ञान के साथ, सच्ची दिल साफ दिल का स्नेह है तो कहां कहां मेहनत नहीं लगती। जहां मुहब्बत है वहां मेहनत नहीं। निरन्तर याद, निरन्तर लव में लीन होने वाली आत्मा पहाड़ भी राई बनाने वाली होती है क्योंकि स्नेह में प्राप्तियां स्पष्ट अनुभव होती हैं।

**Imbibe honesty and cleanliness and please the true Lord**

The Father loves gyani souls but, along with knowledge, you also need to have an honest heart and the love of the eternal Father. If, along with knowledge, you have the love of an honest heart and a clean heart, then you won't have to work hard. Where there is love, there is no hard work. A soul who has constant remembrance and is constantly merged in love can make a mountain into a mustard seed, because where there is love, you experience attainments.